



03 कांग्रेस का चुनावी न्यायपत्र ...

वर्ष : 11

अंक : 322 | पटना, शनिवार, 06 अप्रैल, 2024

विक्रम संवत् 2080

पेज : 12

मूल्य ₹ : 03.00

www.pratahkiran.com

अधिकतम
तापमान
31°C
न्यूनतम तापमान
20°C

बाजार

सोना 71,985 ₹

चांदी 80,700 ₹

सेंसेक्स 74,248 ₹

निफ्टी 22,513 ₹

संक्षिप्त खबरें

घुसपैट की कोशिश नाकाम, एक आतंकवादी ढेर

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में बारामूला

जिले के उठी सेंटर में विवरण रेखा के

पास सुरक्षा बलों ने घुसपैट की कोशिश

को नाकाम कर दिया और इस दौरान

एक सदिये अताकामी मारा गया। रक्षा

स्त्रों को शुरुकार को यह जाकरी ही।

उठीवें बताता कि सुरक्षा बलों के उठी में

सबुरा नाला रस्ते में विवरण रेखा के

करीब घुसपैटों की संदिग्ध गतिविधि

देखी और उठी लंबकार। इसी दौरान

आतंकीवरों को गोलीबारी शुरू कर

दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गया।

उठीवें बताता कि अब उठीवें अताकामी

मारा गया है और अधिकारी जारी है।

सीमा सुरक्षा बल के एक अवैध अधिकारी

हो गया है और कहा था कि बुलावा के दैशेन

उठीवें बताता कि अब उठीवें अताकामी

मारा गया है और अधिकारी जारी है।

प्रधानमंत्री ने पूर्व उप प्रधानमंत्री

जगन्नारायण राम को दी श्रद्धांजलि।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेश मोदी ने

पूर्व उप प्रधानमंत्री जगन्नारायण राम की

जयती पर उठी शुरुकार को ब्रद्धांजलि

एकीकृती की। मोदी ने शोशल मीडिया में

एकसंपर्क लिया, पूर्व उप प्रधानमंत्री जगन्नारायण राम की उठीवें

उठीवें बताता कि अब उठीवें अताकामी

मारा गया है और अधिकारी जारी है।

प्रधानमंत्री ने सेना ने अताध्युकिक

हथियारों और गोला-बारूद का

जखीरा बायागद किया।

इंफ्रारेड सुरक्षा बल अलाइन। बारामूला

लोकसभा सेंटर पाकिस्तान के कंबडे

वाले कश्मीर (पीओके) से सेना होने के

कारण संवेदनशील क्षेत्र है।

प्रधानमंत्री ने जगन्नारायण राम को दी

श्रद्धांजलि।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेश मोदी ने

पूर्व उप प्रधानमंत्री जगन्नारायण राम की

जयती पर उठी शुरुकार को ब्रद्धांजलि

एकीकृती की। मोदी ने शोशल मीडिया में

एकसंपर्क लिया, पूर्व उप प्रधानमंत्री जगन्नारायण राम की उठीवें

उठीवें बताता कि अब उठीवें अताकामी

मारा गया है और अधिकारी जारी है।

प्रधानमंत्री ने सेना ने अताध्युकिक

हथियारों और गोला-बारूद का

जखीरा बायागद किया।

इंफ्रारेड सुरक्षा बल अलाइन। बारामूला

लोकसभा सेंटर पाकिस्तान के कंबडे

वाले कश्मीर (पीओके) से सेना होने के

कारण संवेदनशील क्षेत्र है।

प्रधानमंत्री ने जगन्नारायण राम को दी

श्रद्धांजलि।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेश मोदी ने

पूर्व उप प्रधानमंत्री जगन्नारायण राम की

जयती पर उठी शुरुकार को ब्रद्धांजलि

एकीकृती की। मोदी ने शोशल मीडिया में

एकसंपर्क लिया, पूर्व उप प्रधानमंत्री जगन्नारायण राम की उठीवें

उठीवें बताता कि अब उठीवें अताकामी

मारा गया है और अधिकारी जारी है।

प्रधानमंत्री ने सेना ने अताध्युकिक

हथियारों और गोला-बारूद का

जखीरा बायागद किया।

इंफ्रारेड सुरक्षा बल अलाइन। बारामूला

लोकसभा सेंटर पाकिस्तान के कंबडे

वाले कश्मीर (पीओके) से सेना होने के

कारण संवेदनशील क्षेत्र है।

प्रधानमंत्री ने जगन्नारायण राम को दी

श्रद्धांजलि।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेश मोदी ने

पूर्व उप प्रधानमंत्री जगन्नारायण राम की

जयती पर उठी शुरुकार को ब्रद्धांजलि

एकीकृती की। मोदी ने शोशल मीडिया में

एकसंपर्क लिया, पूर्व उप प्रधानमंत्री जगन्नारायण राम की उठीवें

उठीवें बताता कि अब उठीवें अताकामी

मारा गया है और अधिकारी जारी है।

प्रधानमंत्री ने सेना ने अताध्युकिक

हथियारों और गोला-बारूद का

जखीरा बायागद किया।

इंफ्रारेड सुरक्षा बल अलाइन। बारामूला

लोकसभा सेंटर पाकिस्तान के कंबडे

वाले कश्मीर (पीओके) से सेना होने के

कारण संवेदनशील क्षेत्र है।

प्रधानमंत्री ने जगन्नारायण राम को दी

श्रद्धांजलि।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेश मोदी ने

पूर्व उप प्रधानमंत्री जगन्नारायण राम की

जयती पर उठी शुरुकार को ब्रद्धांजलि

एकीकृती की। मोदी ने शोशल मीडिया में

एकसंपर्क लिया, पूर्व उप प्रधानमंत्री जगन्नारायण राम की उठीवें

उठीवें बताता कि अब उठीवें अताकामी

मारा गया है और अधिकारी जारी है।

प्रधानमंत्री ने सेना ने अताध्युकिक

हथियारों और गोला-बारूद का

जखीरा बायागद किया।

इंफ्रारेड सुरक्षा बल अलाइन। बारामूला

लोकसभा सेंटर पाकिस्तान के कंबडे

वाले कश्मीर (पीओके) से सेना होने के

कारण संवेदनशील क्षेत्र है।

प्रधानमंत्री ने जगन्नारायण राम को दी

श्रद्धांजलि।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेश मोदी ने

पूर्व उप प्रधानमंत्री जगन्नारायण राम की

जयती पर उठी शुरुकार को ब्रद्धांजलि

एकीकृती की। मोदी ने शोशल मीडिया में

एकसंपर्क लिया, पूर्व उप प्रधानमंत्री जगन्नारायण राम की उठीवें

उठीवें बताता कि अब उठीवें अताकामी

मारा गया है और अधिकारी जारी है।

प्रधानमंत्री ने सेना ने अताध्युकिक

हथियारों और गोला-बारूद का

जखीरा बायागद किया।

इंफ्रारेड सुरक्षा बल अलाइन। बारामूला

लोकसभा सेंटर पाकिस्तान के कंबडे

जब बेनीपुरी जी ने बैलगाड़ी से
किया था अपना चुनाव प्रचार

ਬ੍ਰਾਹਮਨਨਦ ਟਾਕੁਰ

मुजफ्फरपुर। प्रखर समाजवादी, लखेक, पत्रकार। रामवृक्ष बेनीपुरी अपने जीवन काल में सोशलिस्ट्स पार्टी उम्मीदवार के रूप में अपने गृह क्षेत्र कट्टर विधानसभा सीट से 1952 और 1957 में दो बार चुनाव लड़ा था। 1952 का चुनाव वे हार गये जबविंग्रेस प्रत्याशी से 2640 मतों से चुनाव जीत गये थे। चुनाव प्रचार के बारे में बेनीपुरी जी अपने डायरी के पन्ने क सज्जन ने चुनाव - भर के लिए मोटर देने की बात ही वह मुकर गया। बड़ी चोट लगी। तुरंत तय किया चुनाव लड़ूंगा। एक मित्र ने हाथी दे दिया था बिस, पूर्ण और हाथी पर ही लड़ ली गई। बेनीपुरी जी के चुनाव वो गांव थे। उनका मानना था कि चुनाव में जनसम्पर्क प्रभाव पड़ता है।



विचार मंथन

 @Pratahkiran
 www.pratahkiran.com
पटना, शनिवार, 06 अप्रैल, 2024

भारतीय अर्थव्यवस्था लक्ष्मी छलांग लगाने को तैयार

दर तिमाही आगे बढ़ती ही जा रही है। अब तो विट्ट की कई आर्थिक एवं वित्तीय संस्थानों ने भी वर्ष 2024 के लिए भारत की आर्थिक विकास दर के सम्बंध में अपने अनुमानों को बढ़ाव दिया है, परंतु अभी तक इन संस्थानों के यह अनुमान वास्तविक आर्थिक विकास दर की तुलना में बहुत कम हैं। दरअसल, विट्टीय आर्थिक एवं वित्तीय संस्थानों द्वारा विशेष रूप से भारत की आर्थिक विकास दर को आपके जाने के सम्बंध में उपयोग किए जा रहे मॉडल अब बोधेरे साबित हो रहे हैं। हाल ही में के समय में भारत के नागरिकों में हँसवाह का भाव विकसित होने के चलते देश में धार्मिक पर्यटन बहुत तेज गति से बढ़ा है उदाहरण के लिए अयोध्या धार्म में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर में श्रीराम लला के विहारों की प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात प्रत्येक दिन औसतन 2 लाख से अधिक श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। यह तो केवल अयोध्या की कहानी है इसके साथ ही कार्यी विवरणात्मक मंदिर, उज्जैन में महाकाल लोक, जम्मू किंवित वैष्णो देवी मंदिर, उत्तराखण्ड में केदारनाथ, बीकानाथ, गंगोत्री एवं यमनोत्री जैसे कई मंदिरों में श्रद्धालुओं की अपार गीड़ उमड़ रही है। भारत में धार्मिक पर्यटन में आई जबरदस्त तेजी के बड़ालत रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं, जो देश के आर्थिक विकास को गति देने में सहायक हो रहे हैं। परंतु, यह तथ्य विट्टीय आर्थिक एवं वित्तीय संस्थानों को दिखाई नहीं दे रहा है, जो कि केवल भारत की ही विशेषता है।



प्रह्लाद सबनानी लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं

f

तीय वर्ष 2023-24 की तृतीय तिमाही (अक्टोबर-दिसंबर 2023) में भारत में आर्थिक विकास की दर 8.4 प्रतिशत रही है। कुछ विदेशी अर्थस्थानी भारत की आर्थिक विकास दर को कमतर आंकते हुए दिखाई दे रहे हैं जबकि यह लगातार तिमाही दर तिमाही आगे बढ़ती ही जा रही है। अब तो विश्व की कई आर्थिक एवं वित्तीय संस्थानों ने भी वर्ष 2024 के लिए भारत की आर्थिक विकास दर के सम्बंध में अपने अनुमानों को बेहतर किया है, परंतु अभी भी इन संस्थानों के यह अनुमान वास्तविक आर्थिक विकास दर की तुलना में बहुत कम हैं। दर असल, विदेशी आर्थिक एवं वित्तीय संस्थानों द्वारा विशेष रूप से भारत की आर्थिक विकास दर को आंके जाने के सम्बंध में उपयोग किए जा रहे मॉडल अब बोध्ये सांतित हो रहे हैं। हाल ही के समय में भारत के नागरिकों में हँसवाह का बाहु विकसित होने के चलते देश में धार्मिक पर्यटन बहुत तेज गति से बढ़ा है। उदाहरण के लिए अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर में श्रीराम लला के विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात प्रत्येक दिन औसतन 2 लाख से अधिक अद्वालु

अयोध्या पहुँच रहे हैं। यह तो केवल अयोध्या की कहानी है इसके साथ ही काशी विश्वनाथ मंदिर, उज्जैन में महाकाल लोक, जम्बु स्थित वैष्णो देवी मंदिर, उत्तराखण्ड में केदरनाथ, बद्रीनाथ, गणेशी एवं यमनोत्री जैसे कई मंदिरों में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ रही है। भारत में धार्मिक पर्यटन में आई जबरदस्त तेजी के बदौलत रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं, जो देश के आर्थिक विकास को गति देने में सहायक हो रहे हैं। परंतु, यह तथ्य विदेशी आर्थिक एवं वित्तीय संस्थानों को दिखाई नहीं दे रहा है, जो कि केवल भारत की ही विशेषता है। उक्त तथ्यों के अतिरिक्त अन्य कई कारक भी भारत की आर्थिक विकास दर को अब 9 से 10 प्रतिशत की सीमा में ले जाने को तयार ढिखाई दे रहे हैं। आज भारतीय अर्थव्यवस्था की तुलना में भारत से आगे चल रही विश्व के अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं की विकास दर में ठहराव आ गया है। जैसे अमेरिका एवं यूरोप की अर्थव्यवस्थाएं आगे आने वाले समय में प्रतिवर्ष केवल 2 अथवा 3 प्रतिशत की दर से ही आगे बढ़ पाएंगी। इसी प्रकार चीन की अर्थव्यवस्था भी अब ढलान पर

दिखाई दे रही है। जापान एवं जर्मनी की अर्थव्यवस्थाओं में तो आर्थिक मुद्रा देखी जा रही है। इस प्रकार विश्व व्यापक सभसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत के अमृत काल में केवल भारतीय अर्थव्यवस्था ही तेज गति आगे बढ़ा दिखाई दे रही है। वैसे भी भारत अमृत काल तो अपी शुरू ही हुआ है एवं यह अगले 23 वर्षों अंथात् वर्ष 2047 तक यह खंडकाल जारी रहेगा कुछ अर्थशास्त्री तो भारत के अमृत काल के बाद भी भारतीय अर्थव्यवस्था के इसी तरह तेज गति से आगे बढ़ा रहने की संभावनाएं व्यक्त कर रहे व्यापेक्षिक भारत में वर्ष 1991-92 प्रारम्भ किए आर्थिक एवं वित्तीय देश के सुधार कार्यक्रम को अब 32 वर्ष पूर्ण हो गए हैं, हालांकि वर्ष 1991-92 के बाद भी भारत में आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्रों में सुधार कार्यक्रम लगातार जारी रहे हैं। अतः स्थिर चुके इन सुधार कार्यक्रमों के फल खाका समय अब आ गया है।

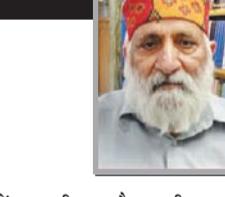
भारत द्वारा वर्ष 1947 में राजनैति स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात, मिछ्ले 7 वर्षों के दौरान भारत में लोकताल लगातार मजबूत हुआ है एवं आप पूरे विश्व में भारत इस दृष्टि से प्रथम

नीं दी की रत यांत्री में आवर्षणा। अत था तो है में अप्रत्र पर्व 1- क इम हो ने क इम हो ने 77 त्रं ज इम पायदान पर खड़ा है। भारत में लोकों के लगातार मजबूत होते जाने विदेशी निवेशकों का भारत में विश्व बढ़ा है जिसके चलते भारत में उद्योग जगत को पूँजी की कमी नहीं के बराबर रही है। पर्याप्त पूँजी की उपलब्धता चलते भारत में आर्थिक विकास गति ही मिली है। भारत में लगातार तेज हो रही आर्थिक विकास की के कारण भारत में बिलिनियर (10 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक सम्पत्ति वाले नागरिक) की संख्या सुधार हुआ है। पिछले वर्ष भारत 94 नए बिलिनियर बने हैं। जब चीन में 115 बिलिनियर कम हुए विश्व में बिलिनियर की संख्या मामले में भारत चीन एवं अमेरिका बाद तीसरे स्थान पर आ गया है। भारत में आज 271 बिलिनियर हैं जब चीन में 814 एवं अमेरिका में 80 बिलिनियर हैं। मुंबई महानगर में अब 92 बिलिनियर निवास कर रहे हैं, जो चीन के बीजिंग महानगर के 9 बिलिनियर से अधिक है। इस प्रकार अब एशिया के किसी भी महानगर सबसे अधिक बिलिनियर भारत मुंबई महानगर में निवास कर रहे पूरे विश्व भारत के मुंबई महानगर

त्रंत्र से आगे अब केवल अमेरिका का न्यूयॉर्क महानगर (119 बिलिनियर) एवं ब्रिटेन का लंदन महानगर (97 बिलिनियर) ही है। वर्ष 2022-23 में चीन में बिलिनियर की संख्या घटी है। चीन में बिलिनियर की सम्पत्ति 15 प्रतिशत से कम हुई है। जबकि भारत में बिलिनियर की सम्पत्ति में वृद्धि दर्ज हुई है। यह भारत में तेज गति से हो रहे आर्थिक विकास दर के चलते सम्भव हो सका है। एक और कारक जो आगे आने वाले समय में भारत की आर्थिक विकास दर को लगातार उच्च स्तर पर बनाए रखने में सहायक हो सकता है वह है भारत में प्रति व्यक्ति वार्षिक औसत आय का लगभग 2500 अमेरिकी डॉलर का होना है जो चीन में 13, 000 से 14, 000 अमेरिकी डॉलर के एवं दक्षिणी कोरिया में 32, 000 से 33, 000 अमेरिकी डॉलर के बीच की तुलना में बहुत कम है। इस दृष्टि से भारत को अभी बहुत आगे तक जाना है और यह केवल आर्थिक विकास की औसत दर को 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष के आसपास बनाए रखने से ही सम्भव होगा। इस प्रकार भारतीय नागरिकों में अपनी औसत आय को विकसित देशों की तुलना में बेहतर करने की अभी बहुत गुंजाई है और यह भावना भारत की आर्थिक विकास दर को बढ़ाए रखने में सहायक होगी। दूसरे, भारत में तकनीकी क्षेत्र विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विकास की दर बहुत प्रभावकारी है, डिजिटल क्षेत्र में तो भारत आज पूरे विश्व को ही राह दिखाता नजर आ रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विकास के चलते भारत में विभिन्न क्षेत्रों में श्रमिकों, व्यवसायों, प्रबंधकों, कृषकों आदि की उत्पादकता में भी सुधार हटियोचर है जो निश्चित ही भारत में आर्थिक विकास की गति को तेज करने में सहायक होगा। आज अमेरिका एवं कनाडा में निवासस्थ एवं सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कार्य कर रहे भारतीय मूल के निवासक वापिस भारत आकर बसने के बारे में गम्भीरता से विचार कर रहे हैं क्योंकि अब अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों की तुलना में भारत में लगातार तेज हो रही आर्थिक विकास की दर उन्हें आकर्षित कर रही है। उन्हें आज भारत में अधिक आय अर्जन के अतिरिक्त साधन उत्पन्न होते दिखाई दे रहे हैं। एक सर्वे के अनुसार, लगभग 38, 000 भारतीय जो अमेरिका में सूचना

ਪੰਜਾਬ ਮੈਂ ਅਕਾਲੀ-ਮਾਜ਼ਪਾ ਗਟਬੰਧਨ ਟੂਟਾ

पंजाब भाजपा के खिलाफ किसान आन्दोलन के नेताओं के साथ हो लिया है। ऐसी स्थिति में भाजपा ट्रिपुल खिलाफ खड़ा होना हाराकिरी करने के समान होगा। लेकिन अकाली दल का आकलन कम से कम इस मुद्दे पर गलत था कि पंजाब किसान नेताओं के साथ है। 2022 के विधानसभा चुनावों में किसान आन्दोलन में से उपजी नई पार्टी संयुक्त किसान मोर्चा के सभी लोगों की जमानत जब्त हो गई। दरअसल किसान मोर्चा एक बहुत ही कुशल रणनीति और मैनेजमेंट के कौशल में से पैदा हुआ था। इस कौशल ने शून्य तो उत्पन्न करने की कोशिश की, लेकिन इस कौशल के नेताओं को जन नेता नहीं बना सका। केंजरीवाल को कुछ देसी विदेशी शक्तियां 2014 में से ही राष्ट्रीय रंगमंच पर लॉच करने का प्रयास करती रही थीं। अलबत्ता वहां तो सफलता नहीं मिली, लेकिन पंजाब में जरूर सफलता मिल गई। वैसे भी किसान आन्दोलन में सक्रिय कम्युनिस्ट कैडर ने आम आदमी पार्टी की सहायता की थी। भारतीय जनता पार्टी गोटों और सीटों के मामले में वहीं पहुंच गई जहां वह अकाली दल से गठबन्धन से पूर्व हुआ। करती थी। वोट प्रतिशत लगभग छह सात के बीच और सीटें शून्य से आठ के बीच।



कुलदीप चंद अग्निहोत्री
लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार है।

四

जाब में अकाली दल और भारतीय जन पार्टी लब्जे असे से मिल कर चुनाव ल के आदी हो गए थे। इतिहास में देख जाए तो मिलने-टूटने का यह सिलसिला 1967 के विधानसभा चुनावों के बाद शुरू हो गया था। बीच-बीच में मन-मुट्ठ भी हुआ लेकिन अब पिछले तीन दशकों से आपसी गठबन्धन ठीक-ठाक ही च रहा था। किसान आन्दोलन से घबरा व अकाली दल ने भाजपा से संबंध तो लिया। अकाली दल को लगा कि पंजाब भाजपा के खिलाफ किसान आन्दोलन के नेताओं के साथ हो लिया है। ऐसी स्थिति में भाजपा के खिलाफ खड़ा होना हाराकिरी करने के समान होगा। लेकिन अकाली दल का आकलन व से कम इस मुद्दे पर गलत था कि पंजाब किसान नेताओं के साथ है। 2022 विधानसभा चुनावों में किसान आन्दोलन में से उपर्युक्त पार्टी संयुक्त किसान मोर्चे के सभी लोगों की जमानत जब त हो ग

दरअसल किसान मोर्चा एक बहुत ही कृशल रणनीति और मैनेजमेंट के कौशल में से पैदा हुआ था। इस कौशल ने शून्य तो उत्पन्न करने की कोशिश की, लेकिन इस कौशल के नेताओं को जन नेता नहीं बना सका। केजरीवाल को कुछ देसी विदेशी शक्तियां 2014 में से ही राष्ट्रीय रंगमंच पर लाँच करने का प्रयास करती रही थीं। अलबत्ता वहां तो सफलता नहीं मिली, लेकिन पंजाब में जरूर सफलता मिल गई। वैसे भी किसान आन्दोलन में सक्रिय कथ्युनिस्ट कैरेड ने आम आदमी पार्टी की सहायता की थी। भारतीय जनता पार्टी बोटों और सीटों के मामले में वहां पहुंच गई जहां वह अकाली दल से गठबन्धन से पूर्व हुआ करती थी। वोट प्रतिशत लगभग छह सात के बीच और सीटें शून्य से आठ के बीच। वैसे इस चुनाव में भाजपा को दो सीटें और 6.6 फीसदी वोट मिले थे। सबसे ज्यादा नुकसान अकाली दल को हुआ। सीटें तीन। जहां तक वोट प्रतिशत का सबवा है अकाली दल को 18.38 प्रतिशत वोट मिले थे। लेकिन सबसे ज्यादा लाभ आम आदमी पार्टी को हुआ जिसने 11 सदस्यों की विधानसभा में से 92 संसदीय झटक लीं। इस नए राजनीतिक माहौल में कांग्रेस और अकाली दल में भगवान भवना लाजिमी थी। लेकिन आश्वर्य वात थी कि कांग्रेस और अकाली दल छोड़ कर लोग भाजपा में आने लगे और कुछ महीने पहले तक एक बार पिंडियां अकाली-भाजपा गठबन्धन की चल निकली। इसलिए जल्दी में पिंडियां से एक लघु किसान आन्दोलन खड़ा हो गया। अकाली दल फिर घबराहट आ गया। दरअसल पंजाब में किसान आन्दोलन अकाली दल को डराने हड़काने का एक कारगर हथियार बचुका है। अकाली दल इसको देख वैसी ही प्रतिक्रिया करता है जैसी किसान आन्दोलन के आयोजकों को आशा हो।

है। कहीं न कहीं इससे पंजाब में शाक कर रही पार्टी की हित साधना भी होती कहा जाता है और धरातल पर दिखाई देता था कि पिछले किसान आन्दोलन पंजाब की उस समय की शासक पार्टी प्रत्यक्ष ही भागीदारी थी और इस बार किसान आन्दोलन में आम आदमी पक्की सक्रिय भागीदारी देखी जा सकती है। परिणाम वही हुआ। अकाली दल गठबन्धन की बातचीत से बाहर हो गया यह ठीक है कि इसमें सीटों की संख्या भी एक मुद्दा रहा होगा लेकिन जिसकारक ने अकाली दल को गठबन्धन के राऊंड टेबल से हड़बड़ाहट में उत्तर दिया, वह किसान आन्दोलन ही था। गठबन्धन की बात सिरे न चढ़े से सज्जादा खुशी शायद भाजपा के कार्यकर्ता को ही हाँ रही है। भाजपा के साधारण कार्यकर्ता को लगता है कि अकाली दल से गठबन्धन के कारण पंजाब में पार्टी विकास रुकता है। यह ऊपर से देखने

ठीक लगता है। लेकिन वस्तुस्थिति ऐसी नहीं है। दरअसल पंजाब में भूगोल के आधार पर पांच भाग हैं। मालवा, बांगर, पुआध, दोआबा और माज़ा। भाजपा का आधार मोटे तौर पर हापूआधाह क्षेत्र के कुछ हिस्सों पर रहता है, जहां उसका मुकाबला अकाली दल से नहीं बल्कि कांग्रेस से होता है। पंजाब का दूसरा हिस्सा जहां भाजपा का कुछ आधार है वह बांगर क्षेत्र है जो राजस्थान से लगता है। वहां भी उसका मुकाबला कांग्रेस से ही होता है। भाजपा का कुछ आधार जीटी रोड के शहरों में है और वहां भी उसकी प्रतिद्वन्द्वी पार्टी कांग्रेस होती है, अकाली दल नहीं। पंजाब में भाजपा की प्रगति न होने के अन्य बीमारियों कारण हैं जिसमें जनसांख्यिकी प्रमुख है, लेकिन उसमें कम से कम अकाली दल नहीं है। पिछले कुछ अरसे से नरेन्द्र मोदी की रणनीति के चलते पंजाब की जनसांख्यिकी को ध्यान में रखते हुए भाजपा ने कार्य विस्तार के प्रयत्न शुरू किए हैं। इस कार्य विस्तार के दो ही तरीके हैं। पहला नीचे धरातल पर कैडर निर्माण किया जाए और उसमें से नेतृत्व उभरे। यह लम्बा तरीका है और चुनाव सिर पर है। दूसरा तरीका है कि पंजाब की जनसांख्यिकी को ध्यान में रखते हुए उसी के अनुरूप नेतृत्व खड़ा कर लिया जाए और उसकी सहायता से कैडर निर्माण किया जाए। फिलहाल पंजाब में भाजपा ने यह दूसरा तरीका ही इस्तेमाल किया है। अन्य दलों से अनेक नेता भाजपा में आ रहे हैं। रवनीत बिड्डा नया चेहरा है। लेकिन उससे बहुत पहले कांग्रेस-अकाली दल से आने-जाने का सिलसिला शुरू हो गया था। मनप्रीत सिंह बादल उनमें बड़ा चेहरा था। अकाली दल के वरिष्ठ नेता सिकंदर सिंह मलूका की पुत्रवधु परमपाल कौर सिद्धू ने तो भारतीय प्रशासनिक सेवा से त्यागपत्र दे दिया है। उसकी चर्चा है कि वह भाजपा में शामिल हो रही है।

द्वितीय वैश्व युद्ध के बाद देशों के बीच वस्तुओं, सेवाओं, पूँजी, श्रम और कारोबार नहीं कर पाए। आइए, अब करना पड़ा है। लेकिन द्वितीय वैश्वीकरण के पक्ष में दिए जा रहे तरफ में वजन दिख रहे। नीति (वैट दर तैयार करने की नीति) तैयार करने की गुंजाइश प्रदान चीन की आर्थिक वृद्धि उमीदों पर खरा रही है। ऐसे और कुछ अन्य कारणों से रहे हैं। ऐसे में एक विदेश नीति तैयार करना आवश्यक है जिसके माध्यम से देश की आर्थिक वृद्धि उमीदों पर खरा रहे हैं।

विचारा के आदान-प्रदान पर पाबंदी
ढील उच्च अर्थकांड का प्रमुख
स्रोत थी। परंतु, इस समय चार ऐसे
बातें या चुनौतियाँ हैं जो इस वैश्विक
अर्थव्यवस्था को हानि पहुंचा रही हैं
दुनिया के देशों के बीच जुड़ाव पर
संपर्क बढ़े से सकल घरेलू उत्पन्न
(जीडीपी) में वृद्धि होती है वहाँ
अलगाव से जीडीपी कमज़ोर पड़ती
है। चीन का प्रभाव कम करने के लिए
संरक्षणवाद के खिलाफ आवाज उठाई
नीति-निर्धारकों के हित में है। दुनिया
बदलती परिस्थितियों के बीच विर्त्त
एवं गैर-वित्तीय कंपनियों के लिए अब
संगठनात्मक ढांचे की समीक्षा कर उत्तर
सुधार करना आवश्यक है। वे जब तक
देशों के बीच वित्तीय सम्बन्धों

हम उन चार चुनावीयों पर विचार करते हैं। वर्ष 2018 से हम तीसरे वैश्वीकरण के दौर में आ गए हैं। इस तीसरे वैश्वीकरण में विकसित देशों के साथ उन देशों का अधिक जुड़ाव अधिक कठिन हो गया है जो विदेश नीति एवं सैन्य मामलों में उपयुक्त एवं संतोषजनक स्थिति में नहीं दिख रहे हैं। दूसरे वैश्वीकरण के दौरान यह तर्क दिया गया था कि रूस और चीन जैसे देशों को वैश्वीकरण के ताने-बाने में शामिल किए जाने के लाभ बाद में नजर आएंगे क्योंकि ये देश स्वतंत्रता की तरफ सावधानी से कदम बढ़ा रहे हैं, लेकिन यह गलत साबित हुआ। प्रत्येक अल्प विकसित देश को संपन्नता एवं स्वतंत्रता देने की ज़रूरत है।

मा
ग से
हीं औं
पर रने
र्नन से
क की
के है।
त त
ह करता है। काबिन उत्सज्जन कम के मामले में चीन भारत से आगे चीन में कुल ऊर्जा उपभोग में अब ऊर्जा का हिस्सा 33 फीसदी तक गया है और यह तेजी से विकास व रहा है। भारत की कमज़ोर ऊर्जा ने भारतीय वस्तुओं के निर्यात को कमज़ कर देगी। तीसरा पहलू चीन से जुड़ा चीन की अर्थव्यवस्था गहरे दबाव रही है। राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने 20 से सत्ता पर अपनी पकड़ मजबूत ली है (चीन को आधुनिक बनाने तंग शयाओं फिंग के प्रयासों को उन्ह पलट दिया है)। नीतिगत स्तर पर 3 राष्ट्रवाद, बाहर के लोगों के प्रति शक्ति और निजी क्षेत्र के लोगों के खिल

संक्षिप्त समाचार

टूट गया उसेन बोल्ट का रिकॉर्ड

16 साल के लड़के निकेको ब्रॉमवेल ने यीते को पछाड़ा, धरती पर इसके जैसा कोई नहीं!

जमैका (एजेंसी)। जब बात होती थी धरती पर सबसे तेज दौड़ने वाले जीव की तो दो ही नाम सूझता था, एक चीता और दूसरा उसेन बोल्ट, लेकिन अब ये इसमें से एक नाम अब बदल गया है। अब चीते के बाद सबसे तेज दौड़ने वाले उसेन बोल्ट नहीं बल्कि निकेको ब्रॉमवेल हैं। जब बात होती थी धरती पर सबसे तेज दौड़ने वाले जीव की तो दो ही नाम सूझता था, एक चीता और दूसरा उसेन बोल्ट, लेकिन अब ये इसमें से एक नाम अब बदल गया है। अब चीते के बाद सबसे तेज दौड़ने वाले उसेन बोल्ट नहीं बल्कि निकेको ब्रॉमवेल हैं। हैरानी की बात यह है कि ब्रॉमवेल भी जमैका के ही रहने वाले हैं।



सबसे तेज दौड़ने वाले उसेन बोल्ट नहीं बल्कि निकेको ब्रॉमवेल हैं। जब बात होती थी धरती पर सबसे तेज दौड़ने वाले जीव की तो दो ही नाम सूझता था, एक चीता और दूसरा उसेन बोल्ट, लेकिन अब ये इसमें से एक नाम अब बदल गया है। अब चीते के बाद सबसे तेज दौड़ने वाले उसेन बोल्ट नहीं बल्कि निकेको ब्रॉमवेल हैं। हैरानी की बात यह है कि ब्रॉमवेल भी जमैका के ही रहने वाले हैं।

आर्चर की चोटें चिंता का विषय

स्टोक्स का टी20 विश्व कप में नहीं खेलना सही: स्टुअर्ट ब्रॉड

मुंबई (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने करिश्माएँ आलराउंडर बेन स्टोक्स के फिटनेस कारणों से इस साल के टी20 विश्व कप से बाहर रहने के फैसले का समर्थन किया लेकिन तेज गेंदबाज जोफ्रा आचर की चोटों पर चिंता व्यक्त की।

ब्रॉड ने कहा कि गत चैम्पियन इंग्लैंड को वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप में स्टोक्स की कमी खलेगी लेकिन टीम के पास उनकी जगह लेने के लिए काफी खिलाड़ी मौजूद हैं। ब्रॉड



ने कहा, 'बेन ने खुद की बेहतरी के लिए जो भी फैसला किया है, वह सही है। बेन स्टोक्स ने अपने करियर में कुछ शानदार फैसले लिए हैं जो उनके करियर के लिए फायदेमंद भी साबित हुए हैं। उन्होंने कहा, 'वह वैसा ही आलराउंडर बनना चाहता है जैसा वह हुआ करता था। वह कुछ कार्यभार कम करना चाहता है और टी20 विश्व कप के दबाव को देखते हुए यह सर्वश्रेष्ठ बैठक है।'

वही आचर को अपनी गेंदबाजी करने वाली बाब की चोट से उबरने में काफी मुश्किल हो रही है और इंग्लैंड के लिए दो साल का अनुबंध मिलना दिखाता है कि टीम प्रबंधन को उनकी जल्द वापसी का विश्वास है। ब्रॉड ने कहा कि वह विश्व कप में उनकी वापसी की उम्मीद बरत रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हाँ, यह चिंता का विषय है। पहली बात तो वह में मिल रही है, मेरा साथी है और विश्व क्रिकेट के लिए शानदार प्रतिभा है। वह मैच विजेता है।'



पिता पुलिस में डीआईजी बेटा गेंदबाजों के लिए विलेन...

ऐसा धांसू है शशांक सिंह का क्रिकेट करियर

भोपाल (एजेंसी)। शशांक सिंह ने पंजाब किंस को आईपीएल 2024 में असंघव स्थिति से ऊजर टाइटंस के खिलाफ जीत दिलाई। जब शशांक क्रीज पर उतरे तो पंजाब के जीत की संभवना 5 प्रतिशत से भी कम थी। 200 रनों का लक्ष्य का पैदा करते समय टीम ने 70 रन पर 4 विकेट खो दिए थे। 29 गेंदों पर नावाद 61 रन बनाकर शशांक ने अपनी टीम को जीत दिला दी। पंजाब किंस के कमबैक के साथ ही शशांक की पारी लंबे समय तक याद रखी जाएगी। काफी लोग शशांक को युवा खिलाड़ी मान रहे हैं लेकिन वह 32 साल के ही चुके हैं। ऐसा है उनका क्रिकेटिंग सफर बताते हैं।

छत्तीसगढ़ के भित्तीसगढ़ में हुआ था जन्म- शशांक सिंह का जन्म छत्तीसगढ़ के भित्तीसगढ़ में हुआ था। उनके पिता आईपीएस अधिकारी हैं। इसकी वजह से शशांक बचपन में कई जगह रहे हैं। जब उनके पिता की पोस्टिंग जबलपुर में थी तो पहली बार एकड़मी जाकर खेलना शुरू किया था।

मुंबई में जाकर पसीना बहाया

शशांक सिंह इसके बाद मुंबई पहुंचे। वहाँ जाकर उन्हें पारे चला कि क्रिकेट कितना मुश्किल होता है। पिर वहाँ के मैदानों में शशांक ने जमकर पसीना बहाया। 2015 में उन्हें मुंबई के लिए सेयर मुश्किल अली ट्रॉफी और विजय हजार ट्रॉफी में खेलने का मौका मिला।

ज्यादा मौके नहीं मिलने पर छत्तीसगढ़ पहुंचे

बल्लेबाजी के साथ ही ऑफ स्पिन गेंदबाजी करने वाले शशांक को मुंबई के लिए चार सीजन में 15 टी20 और तीन लिस्ट ए गेम खेलने का मौका मिला। इससे वह काफी निराश हो गए।

एक ही मैच में 150 रन और 5 विकेट

छत्तीसगढ़ जाने के बाद शशांक सिंह को ज्यादा मौके मिलने लगा। उन्हें फर्स्ट क्लास डेब्यू का भी मौका मिला। 2023 में उन्होंने विजय हजार ट्रॉफी के एक मैच में 150 से ज्यादा रन बनाने के अलावा 5 विकेट लिए। वह ऐसा करने वाले पहले भारतीय हैं।

कैसा है शशांक सिंह का रिकॉर्ड

30 लिस्ट ए मैच में शशांक ने 41 की औसत और 110 की स्ट्राइक रेट से 986 रन बनाए हैं। 21 फर्स्ट क्लास मैच में उनके 858 से हैं। 59 टी20 में 141 की स्ट्राइक रेट से 815 रन मारे हैं। इसके अलावा उनके नाम 60 विकेट भी दर्ज हैं।

आईपीएल में चार टीमों का रहेहिस्सा

आईपीएल 2017 में शशांक दिल्ली की टीम में थे। पिर 2019 से 2021 कर राजस्थान रेयल्स के साथ रहे। दोनों टीमों ने उन्हें खेलने का मौका नहीं दिया। 2022 आईपीएल में वह सनराइजर्स हैदराबाद में थे। लॉकी फर्स्टयून के खिलाफ उन्होंने हैट्रिक छक्का मारा था। 9 आईपीएल पारी में शशांक 174 की स्ट्राइक रेट से 160 रन बनाए हैं।

पंजाब किंस के स्टार आशुतोष शर्मा का खुलासा

‘मेरी फ्लाइट बुक थी... उन्होंने मुझे रुकने के लिए कहा’

अहमदाबाद (एजेंसी)। पंजाब किंस (पीबीकेएस) के इंप्रेक्ट सबस्टीट्यूट आशुतोष शर्मा ने खुलासा किया कि कैसे वह द्वायल के बाद जान के लिए तैयार थे, लेकिन रुक गए और अधिकारी अपने पहले आईपीएल सीजन में फेंचाजी का हिस्सा बन गए। आशुतोष ने ऊजर घर जीत में पीबीकेएस के लिए शानदार प्रदर्शन किया। ऊजर तके खिलाफ 200 रनों के लक्ष्य का पैदा करते हुए पंजाब ने 15.3 ओवर के बाद 6 विकेट पर 150 रन बना लिए थे, तभी आशुतोष क्रीज पर आए और शशांक सिंह के साथ 22 गेंदों में 43 रनों की मैच विजयी साझेदारी की।



आईपीएल वेबसाइट पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में आशुतोष ने कहा कि वह कैसे विजयी और अपने पीबीकेएस ट्रायल के बाद घर जाने के लिए एक वीडियो में कहा था।

लिए तैयार थे, जब तक कि टीम प्रबंधन ने उन्हें एक अतिरिक्त दिन रुकने के लिए नहीं कहा। रुके जाने के बल्लेबाज ने खुलासा किया कि उन्हें एक अन्य आईपीएल टीम द्वारा अनुबंध की पेशकश की गई, और लेकिन उन्होंने पीबीकेएस के साथ रहने का फैसला किया और अंततः टीम में शामिल हो गए।

आशुतोष ने एक वीडियो में कहा, मैंने पंजाब के साथ अपना परीक्षण अच्छा किया और घर के लिए रवाना होने के लिए पूरी तरह तैयार था। मैंने रात के लिए अपनी प्लाटार्ट बुक की थी, लेकिन फिर उन्होंने मुझे फोन किया और कहा कि 'एक और दिन रुकें।' मुझे एक और द्वायल के लिए जाना था।

योजना अच्छी शुरुआत देने की थी लेकिन मैं दुर्भाग्य से आउट हो गया : शिखर धवन

आहमदाबाद(एजेंसी)। पंजाब किंस रिकॉर्ड छठी बार 200 या इससे ज्यादा का स्कोर चेज करने वाली आईपीएल की टीम ने नंबर 7 से शुरुआत की और अब अपनी सकारात्मक मानसिकता दिखा रहे हैं। वह लंबे समय के बाद आईपीएल में खेल रहे हैं और उन्होंने बहुत अच्छा खेला। मैंने पंजाब के बाद शिखर धवन की कानी में ही 200 से ज्यादा रन का लक्ष्य अपने नाम किया। पंजाब ने अहमदाबाद के मैदान पर ऊजर टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में एक वर्क 111 रन पर ही पांच विकेट गवा दिए थे। ऐसे समय में शशांक सिंह और आशुतोष शर्मा ने महत्वपूर्ण पारियां खेलकर इतिहास बना दिया। मुकाबला जीतने के बाद पंजाब के खिलाफ शिखर धवन काफी खुश दिखे।

धवन ने कहा कि वह एक अद्भुत खेल था, बहुत कारीबी, मुझे खुशी है कि लड़कों ने काम किया। योजना अच्छी शुरुआत देने की थी। लेकिन मैं दुर्भाग्य से आउट हो गया लेकिन पावरप्ले के अंत में हम 60 रन के आसपास थे, हमने साझेदारियां बनाना जारी रखा और शशांक आए और वास्तव में अच्छा खेला। शशांक ने जहाँ 61 रन बनाए तो आशुतोष ने 17 गेंदों पर 31 रन बनाकर टीम की जीत में अहम योगदान दिया।

धवन ने कहा कि शशां

